27/6/18 वादी के प्रार्थना पत्र पर पत्रावली पेश हुई। वादी ने प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि वह अपने वाद को आगे नहीं चलाना चाहता विड्रा करना चाहता है। वादी की पहचान श्री रामफल एडवो० ने की। प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर शामिल पत्रावली किया गया। वादी अपने वाद को आगे नहीं चलाना चाहता अतः [illegible] वाद खारिज किया जाता है पत्रावली फैसला अनुसार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील [illegible] दाखिल दफ्तर हो।

उपखण्ड अधिका[illegible]
कोटकासिम (अलव[illegible]